International Journal of Arts & Education Research

20वीं शताब्दी में विभिन्न महिला संगठनों का विश्लेषणात्मक अध्ययन

विपिन कुमार*[1]

[1]अध्यापक, एन0बी0वी0पी0 इण्टर कालिज, मेरठ।

प्रस्तावना

20वीं शताब्दी के प्रारम्भ में महिलाओं की स्थिति में व्यापक परिवर्तन होना प्रारम्भ हो गया था। विभिन्न समाजसुधारकों के सुधारात्मक प्रयासों के फलस्वरूप अब नारी को भी अपने उद्धार की आवश्यकता महसूस होने लगी, उसने यह अनुभव करना प्रारम्भ कर दिया था कि हमें अपने अधिकारों के लिए स्वयं ही लड़न होगा। यही नहीं वरन् इन सब परिस्थितियों में नारी को विभिन्न महिला संगठनों की आवश्यकता का भी अहसास होने लगा। उसे लगा कि महिलाओं की स्थिति को समाज के सामने लाने और उसमें सुधार करने हेतु यह अत्यधिक आवश्यक है कि ऐसे महिला संगठन हों, जो सरकार के सम्मुख महिला का पक्ष उपस्थित कर सकें तथा सरकार पर महिला की स्थिति में सुधार कने हेतु दबाव डाला जा सके। इन्हीं सबसे प्रेरित होकर महिलाओं ने अनेक महिला संगठनों की स्थापना की। इन सभी संगठनों में स्त्रियों का प्रतिनिधित्व तथा सहभागिता दोनों ही उच्च स्तरीय तथा विशेष महत्व की थी।

IJAER

*Corresponding Author